

(i) Printed Pages : 4	Roll No.
(ii) Questions : 9	Sub. Code : 8 0 8 4
	Exam. Code : 1 1 0 3

B.Ed. 4th Semester
(2053)

UNDERSTANDING THE SELF (In all Mediums)

Paper : F-4.4 (Same for USOL Candidates 4th Sem.)

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 40

Note :— Attempt one question each from Units I to IV. Unit-V is compulsory.

UNIT-I

- | | |
|--|-----|
| 1. Discuss the concept of self. What are the various determinants of self ? | 3+5 |
| 2. What is self-perception theory ? Discuss various implications of this theory. | 5+3 |

UNIT-II

- | | |
|---|---|
| 3. Describe how family, religion and language affect self-identity. | 8 |
| 4. What role can an individual play in development of the society ? | 8 |

UNIT-III

- | | |
|--|-----|
| 5. What is the influence of peer group and technology on identity formation ? | 4+4 |
| 6. Describe how school shapes national, secular and humanistic identity of students. | 8 |

UNIT-IV

7. What are the causes of conflicts ? How can these be resolved ?
4+4
8. Discuss the role of Yoga and meditation in the development of self. 8

UNIT-V

9. Short notes on :
 (a) Concept of Self Esteem
 (b) Role of positive thinking in self-development
 (c) Schooling as a process of identity formation
 (d) What is empathic listening ? 4×2=8

(हिन्दी माध्यम)

नोट :- यूनिट I से IV तक में से एक प्रश्न करें। यूनिट V अनिवार्य है।

यूनिट-I

1. स्वयं की अवधारणा पर चर्चा करें। स्वयं के विभिन्न निर्धारक क्या हैं ? 3+5
2. आत्मबोध सिद्धांत क्या है ? इस सिद्धांत के विभिन्न निहितार्थों की चर्चा कीजिए। 5+3

यूनिट-II

3. वर्णन करें कि कैसे परिवार, धर्म और भाषा आत्म-पहचान को प्रभावित करते हैं ? 8
4. समाज के विकास में एक व्यक्ति क्या भूमिका निभा सकता है ? 8

यूनिट-III

5. पहचान निर्माण पर सहकर्मी समूह और श्रौतोगिकी का क्या प्रभाव है ? 4+4
6. वर्णन करें कि कैसे स्कूल छात्रों की राष्ट्रीय, धर्मनिरपेक्ष और मानवतावादी पहचान को आकार देता है ? 8

यूनिट-IV

7. अन्तर्दृष्टि के स्पा कारण है ? इनका समाधान कैसे किया जा सकता है ? 4+4
8. स्वयं के विकास में योग और ध्यान की भूमिका की चर्चा कीजिए। 8

यूनिट-V

9. लक्षित नोट लिखें :
 (a) आत्म सम्मान की अवधारणा
 (b) आत्म-विकास में सकारात्मक सोच की भूमिका
 (c) पहचान निर्माण की प्रक्रिया के स्पा में स्कूली शिक्षा
 (d) सहानुभूतिपूर्ण सुनना क्या है ? 4×2=8

(पंजाबी अनुवाद)

नोट :- यूनिट I ते IV तक हरेक विच एक प्रश्न उपलब्ध है। यूनिट-V लाजमी है।

यूनिट-I

1. मदे दे संवर्लप दी चरचा करें। मदे दे दैर्घ-दैर्घ निरणाइक ढी हन ? 3+5
2. मदे-बेघ मियाँड़ की है ? इस मियाँड़ दे दैर्घ-दैर्घ पुडावा दी चरचा करें। 5+3

ਜੂਨਿਟ-II

3. ਵਰਨਣ ਕਰੋ ਕਿ ਕਿਵੇਂ ਪਰਿਵਾਰ, ਹਰਾ ਅਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਸਵੇ-ਪੜਾਣ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਵਿਤ ਕਰਦੇ ਹਨ। 8
4. ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਕੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ? 8

ਜੂਨਿਟ-III

5. ਪੜਾਣ ਬਣਾਉਣ 'ਤੇ ਪੀਅਰ ਗਰੁੱਪ ਅਤੇ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਦਾ ਕੀ ਪ੍ਰਕਾਵ ਹੈ ? 4+4
6. ਵਰਨਣ ਕਰੋ ਕਿ ਸਕੂਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ, ਧਰਮ ਨਿਰਪੱਖ ਅਤੇ ਮਾਨਵਵਾਦੀ ਪੜਾਣ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਆਕਾਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। 8

ਜੂਨਿਟ-IV

7. ਝਗੜਿਆਂ ਦੇ ਕਾਰਨ ਕੀ ਹਨ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਹੌਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ? 4+4
8. ਸਵੇ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਯੋਗ ਅਤੇ ਧਿਆਨ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਬਾਰੇ ਚਰਚਾ ਕਰੋ। 8

ਜੂਨਿਟ-V

9. ਨਿਮਨਲਿਖਤ 'ਤੇ ਸੰਬੰਧ ਨੋਟ ਲਿਖੋ :
- ਸਵੇ-ਮਾਣ ਦੀ ਧਾਰਨਾ
 - ਸਵੇ-ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਸੇਚ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ
 - ਪੜਾਣ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਵਜੋਂ ਸਕੂਲਿੰਗ
 - ਹਮਦਰਦੀ ਨਾਲ ਸੁਣਨਾ ਕੀ ਹੈ ?
- 4×2=8